एफआरआई में कार्यशाला शुरू

देहरादून। 'खनित भूमियों का पारिस्थितिकीय पुनरुद्धार' विषय पर सोमवार से एक सप्ताह की कार्यशाला शुरू हो गई है। वरिष्ठ विज्ञानी डा. लक्ष्मी रावत, डा. शैबल दास गुप्ता, डा. एचबी वशिष्ठ ने प्रतिभागियों को कोयले के खनन के बाद हुई क्षति को दुरुस्त करने के संबंध में जानकारी दी। मुख्य रूप से झारिया खान क्षेत्र, झारखंड की कोयला खदानों के संबंध में, बताया गया। कार्यशाला में डा. मृदुला नेगी, डा. प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

Amar Ujala 15-03-16

Training programme on land restoration at FRI

TRIBUNE NEWS SERVICE

DEHRADUN, MARCH 14

A weeklong training programme on "Ecological restoration of mined lands" for the officers/executives of the Bharat Cooking Coal Ltd (BCCL), Dhanbad (a subsidiary company of Coal India Ltd), started at Forest Research Institute here today.

Dr (Mrs) Laxmi Rawat, Scientist-F, Ecology and Environment Division, welcomed Dr Saibal Dasgupta, DDG (Extension), ICFRE, participants and other members present during the training.

Participants at a training session at the Forest Research Institute in Dehradun on Monday. TRIBUNE PHOTO

Dr HB Vasistha, Course Director and Head, Forest Ecology and Environment Division, gave an overview of the course content. The main objective of this training programme is to keep the participants abreast of the measures taken in restoration of coal mines, particularly in the Jharia mine areas, Jharkhand.

The training was inaugurated by Chief Guest Dr Saibal Dasgupta, DDG (Extension), ICFRE. He emphasized that to get the benefits of natural resources such as coal, what was needed was that coal extraction should be done on a sustainable basis.

He stressed on the importance of maintaining a sustainable approach in mining of resources, mainly coal, saying that there was a need to develop scientific and appropriate technology for mining coal.

He urged the staff of the BCCL to raise a cadre of young generations who could take up the challenge of restoring the degraded mined areas of Dhanbad. He was hopeful that the training would help the BCCL staff by imparting them basic scientific knowledge to carry out ecological restoration work in their respective areas. As many as 30 participants from the BCCL, Dhanbad, are participating in the training.

The Tribune 15-03-16

'खनित भूमियों का पारिस्थितिकीय पुनरुद्धार' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ

देहरादून १४ मार्च (**दर्पण संवाददाता**)। वन अनुसंधान संस्थान १८ मार्च तक भारत कुकिंग कोल लिमिटेड, धनबाद (कोल इण्डिया लिमिटेड की एक सहायक इण्डिया लिमिटेड का एक सहायक कम्पनी) के अधिकारियों व प्रबंधकों के लिए 'खनित भूमियों का पारिस्थितिकीय पुनरुद्धार' विषय पर एक सप्ताह का अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इस अवसर पर डा. लक्ष्मी रावत, वैज्ञानिक-एफ, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण प्रभाग ने डा. शैबल दासगुप्ता, उपमहानिदेशक (विस्तार), भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, सहभागियों तथा अन्य उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। डा. एच.बी.वरिष्ठ पाठ्यक्रम निदेशक एवं प्रमुख, वन पास्थितिकीय एवं पर्यावरण प्रभाग ने पाठ्यक्रम की विशयवस्तु के विषय में जानकारी उपलब्ध कराई।

उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेषकर झारिया खान क्षेत्र, झारखण्ड में कोयला खानों के पुनरुद्धार के लिए उठाए गए कदमों के बारे में सहभागियों को जानकारी उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा. शैबल दासगुप्ता, उपमहानिदेशक (विस्तार), भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा प्रशिक्षण का उद्घाटन किया गया। अपने सम्बोधन में उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का लाभ, जैसे समाज के लिए कोयला प्राप्त करने के लिए आज की आवश्यकता है कि कोयले का आवश्यकता है कि कोयले का निष्कर्षण पोषणीय आधार पर किया जाना चाहिए।

उन्होंने संसाधनों के खनन मुख्यत: कोयले में एक पोषणीय दृष्टिकोण बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अत: कोयला खनन के लिए वैज्ञानिक एवं उपयुक्त प्रौद्योगिकी का विकास करने की आव यकता है। उन्होंने बीसीसीएल के कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे युवा लोगों का एक ऐसा संवर्ग तैयार करें जो धनबाद के निम्नीकृत खनित क्षेत्रों के पुनरुद्धार की चुनौतियों का सामना कर सकें।

उन्होंने आशा जताई कि यह प्रशिक्षण बीसीसीएल के कर्मचारियों को उनके अपने-अपने क्षेत्रों में पारिस्थितिकीय पुनरुद्धार कार्य करने के लिए आधारभूत वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराएगा। बीसीसीएल के ३० सहभागियों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया जाएगा। अन्त में डा. मृदुला नेगी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण प्रभाग के वैज्ञानिक डा. लक्ष्मी रावत,डा. मृदुला नेगी, डा.प्रमोद कुमार, रिसर्च स्कॉलर एवं प्रभाग कर्मचारी उपस्थित थे।

Doon Darpan 15-03-16